अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2022

परीक्षा का नाम : विशारद पूर्ण (प्रथम प्रश्नपत्र)

विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन

दि. 20/11/2022 समय : सुबह 9 से 12 कुल अंक : 75

सूचनाएँ : (1) प्रश्न क्र. 3 अनिवार्य है ।
(2) अन्य छः प्रश्नों मे से चार प्रश्न हल करे ।
(3) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्रश्न 1) राग मुलतानी अथवा मारुबिहाग में बडा ख्याल/मसीतखानी गत पं.पलुस्कर पध्दति से स्वर लिपिबध्द किजिये तथा उस राग के दो आलाप तथा दो ताने लिखिए। (11+2+2=15)

प्र. 2) अ) रिक्त स्थानों की पूर्ती कीजिये। (15)

1) ''बिभास'' राग की जाती ---------- है।
2) राग ''पूरिया'' और राग ''मारवा'' में ------ स्वर वर्जीत है।
3) ''बसंत'' राग का थाट ---------- है।
4) ''शुद्ध'' और ''विकृत'' यह ---------- के प्रकार हैं।
5) ''आचार्य मतंग'' यह ---------- इस ग्रंथ के रचनाकार है।

(ब) उचित जोडीयाँ बनाइये।

अ	ब
1) तराना	1) तंतूवाद्य
2) रविंद्रनाथ ठाकुर	2) तबला
3) दिपचंदी	3) अर्थहीन शब्द
4) उस्ताद झाकीर हुसैन	4) रविंद्रसंगीत
5) सतार	5) ताल

(क) सही या गलत बताइये।

1) ''झपताल'' दस मात्राओं वाला ताल है।
2) ''कर्नाटक'' संगीत मे पांच जाती और सात ताल हैं।
3) ''राग तोडी'' को ''मियाँ की तोडी'' भी कहा जाता है।
4) ''झूमरा'' ताल आठ मात्राओं वाला ताल है।
5) ''नाट्यशास्त्र'' ग्रंथ के रचनाकार ''भारतमुनी'' है।

प्रश्न 3) निचे दिए गए तालों की जानकारी लिखकर लिपीबध्द किजिए। (कोई तीन) **(5+5+5=15)**

अ) ताल सूलताल– ठाह तथा तिगून (पं.पलुस्कर लिपी में)
ब) ताल दीपचंदी– ठाह तथा चौगुन (पं.भातखंडे लिपी में)
क) ताल झूमरा– ठाह तथा तिगुन (पं.पलुस्कर लिपी में)
ड) ताल धमार– ठाह तथा दुगून (पं.भातखंडे लिपी में)
इ) ताल आडाचौताल– ठाह तथा चौगुन (पं.भातखंडे लिपी में)

प्रश्न 4) घराने की निर्मिती के बारे में लिखिये तथा ग्वालियर और किराना घराने का संक्षिप्त परिचय दीजिये। **(5+5+5=15)**

प्रश्न 5) दक्षिण हिंदुस्थानी राग पध्दति के बारे में लिखिये तथा दक्षिण हिंदुस्थानी ताल पध्दति की विशेषताएँ लिखिए। **(8+7=15)**

प्रश्न 6) राग जोडीयों का तुलनात्मक विवेचन कीजिये। **(5+5+5=15)**

अ) मियाँ मल्हार– बहार
ब) पुरिया– मारवा
क) पुरिया धनाश्री– बसंत

प्रश्न 7) नीचे दिए हुए तीनों विषयों पर टिप्पणी लिखिए। **(5+5+5=15)**

अ) परमेल प्रवेशक राग
ब) मार्गी संगीत एवंम् देशी संगीत
क) संकीर्ण राग